Regarding irrigation facility in Hazaribagh Parliamentary Constituency

श्री मनीष जायसवाल **(**हज़ारीबाग**) :** माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान झारखंड के एक बहुत ही विशेष परियोजना की ओर दिलाना चाहता हूं । इस डैम का निर्माण वर्ष 1955 में हुआ । तिलैया डैम और कोनार डैम की वजह से हजारों गांव विस्थापित हुए, चौपारण, बरही, विष्णुगढ़ ओर चंदवाड़ में बहुत सारे लोग विस्थापित हुए, जिनका आज तक पुर्नस्थापन नहीं हुआ । मेरी मांग है कि इनको पुर्नस्थापित किया जाए ।

कोनार डैम से नहर की परियोजना वर्ष 1978 में चालू हुआ । आज 50 वर्ष के करीब हो गए हैं, लेकिन अभी तक यह पूर्ण नहीं हुआ है । एक भी गांव को पानी नहीं मिला है । मेरी मांग है कि इस सिंचाई परियोजना को केन्द्र सरकार पूरा करे और यहां हाइडल पॉवर लगाए । यहां टूरिज्म डेवलप करे जिससे लोगों को रोजगार मिले । इस परियोजना से 85 गांवों को पानी मिलना था, लगभग 63 हजार एकड़ भूमि को सिंचिंत होना था, लेकिन यह परियोजना पिछले पचास सालों से लंबित है । मेरी केन्द्र सरकार से मांग है कि इसे जल्द पूरा करे ।